Marwari College, Darbhanga

Page No.
Date 25/04/20

Subject- B.A. Part-I, Psychology (H)

Paper-II (Social Psychology)

Title- Non-experimental Methods of Social Psychology.

Topic- Questionnaire Method	Interview Method
* Introduction	* Introduction
* Meaning	* Meaning
* Definition	* Definition
* Characteristics	* Characteristics
* Merits	* Importance
* Demerits	* Merits
* Conclusion	* Demerits
	* Conclusion

Dr. S. K. Suman, Asst. Prof.
Dept. of Psychology.
Marwari College, Darbhanga.

Scanned with CamScanner

Q.4. प्रश्नावली प्रविधि के गुण-दोषों की विवेचना सामाजिक मनोविज्ञान की एक विधि के रूप में करें।

(What is Questionnaire ? Discuss its merits and demerits as a method of studying Social Psychology.)

Ans. प्रश्नावली-प्रविधि का अत्यधिक प्रयोग होता है। प्रश्नावलियों द्वारा अध्ययन एवं सामग्री संग्रह का प्रमुख उद्देश्य समय और धन की बचत करना है। जब विस्तृत क्षेत्र में अध्ययन करना होता है तो प्रश्नावली प्रविधि का प्रयोग किया जाता है।

प्रश्नावली के अर्थ पर प्रकाश डालते हुए **पोप ने** लिखा है—"एक प्रश्नावली के प्रश्नों को एक समूह के रूप में, जिनको सूचनादाता के बिना एक अनुसंधानकर्ता या प्रगणक की व्यक्तिगत सहायता का उत्तर देना होता है, परिभाषित किया जा सकता है।" साधारणतया प्रश्नावली डाक द्वारा भेजी जाती है, लेकिन यह लोगों में वितरित भी की जा सकती है। प्रत्येक स्थिति में यह सूचना प्रदान करने वाले के द्वारा भरी जाती है। **लुण्डवर्ग (Lundberg)** ने प्रश्नावली की परिभाषा करते हुए लिखा है, "मूल रूप से प्रश्नावली प्रेरणाओं का एक समूह है जिसके प्रति शिक्षित लोग उत्तेजित किये जाते हैं और वे इन उत्तेजनाओं के अन्तर्गत अपने व्यवहार का वर्णन करते हैं।" *(The questionnaire is a set of stimuli to which literate people are exposed in order to observe their verbal behaviour under these stimuli.)*

प्रश्नावली की विशेषतायें (Characteristics of Questionnaire) :

1. यह प्रविधि विभिन्न प्रश्नों का संकलन मात्र है।
2. प्रश्नावली को डाक द्वारा अभीष्ट सूचनादाता के पास भेजा जाता है।
3. प्रश्नावली में वर्णित प्रश्नों के उत्तर सूचनादाता को स्वयं यथा-स्थान लिखना पड़ता है। अत: अभीष्ट सूचनादाता को अनिवार्य रूप से शिक्षित होना चाहिए।
4. प्रश्नावली द्वारा प्राप्त सूचनाओं को यथार्थ तथा वास्तविक माना जाता है क्योंकि सूचनादाता इसे प्रश्नकर्ता की अनुपस्थिति में हर प्रकार के बाहरी प्रभाव से मुक्त होकर भरता है।
5. प्रश्नावली के माध्यम से विस्तृत क्षेत्र से सूचनाएँ एकत्र की जा सकती है।
6. इसके माध्यम से एक ही समय में अनेक सूचनादाताओं से सम्पर्क कर तथ्य संकलन किया जा सकता है।

प्रश्नावली विधि के प्रमुख गुण (Merits) : 1. प्रश्नावली के सहारे एक छोटी अवधि में बहुत से व्यक्तियों के व्यवहारों के बारे में ज्ञान प्राप्त हो जता है।

2. देश के सुदूर भागों में रहने वाले लोगों के घर पर डाक द्वारा प्रश्नावली भेज दी जाती है जिसे वे डाक द्वारा शोधकर्ता को लौटा देते हैं।

Scanned with CamScanner

3. प्रश्नावली में चूँकि सभी प्रश्न प्रामाणिक होते हैं, अतः उनका प्रयोग किसी भी व्यक्ति द्वारा, किसी भी स्थान पर बिना हिचक के किया जा सकता है और परिणाम हमेशा एक ही समान आते हैं।

4. प्रश्नावली विधि में वैसे व्यवहारों का भी अध्ययन आसानी से किया जा सकता है जिन्हें दूसरी विधि से करना कठिन है।

प्रश्नावली विधि के प्रमुख दोष (Demerits) :

1. प्रश्नावली के प्रश्नों का उत्तर देने के लिए यह आवश्यक है कि व्यक्ति पढ़ा-लिखा हो। इसका अर्थ यह हुआ कि प्रश्नावली विधि का प्रयोग अनपढ़ों, अत्यन्त छोटे बच्चों, पागलों आदि पर नहीं किया जा सकता है।

2. प्रायः यह देखा जाता है कि प्रश्नों का सही उत्तर निश्चित करने में असमर्थ रहने पर व्यक्ति अटकलबाजी के आधार पर जबाब देता है। इससे व्यक्ति के व्यवहार के बारे में सही ज्ञान नहीं हो पाता।

3. दूसरों से पूछकर भी प्रश्नों के उत्तर दिये जाते हैं।

4. प्रश्नावली को तैयार करना एक कठिन कार्य है। मानांकित प्रश्नावली का निर्माण तो और भी कठिन है। कारण यह है कि इसमें सांख्यिकीय विधियों का उपयोग अधिक किया जाता है।

Q. 5. साक्षात्कार क्या है ? इसके गुण एवं दोषों की व्याख्या करें।
(What is Interview ? Discuss its merits and demerits.)
Or, समाज मनोविज्ञान की किसी एक विधि की विवेचना करें और इसके गुण एवं दोषों का उल्लेख करें। Or, समाज मनोविज्ञान की अध्ययन-विधि के रूप में साक्षात्कार के गुण एवं सीमाओं की व्याख्या करें।

Ans. आधुनिक सामाजिक मनोविज्ञान में साक्षात्कार विधि काफी महत्वपूर्ण एवं प्रचलित है। स्कूल, नौकरी एवं हड़ताल इत्यादि में इसका महत्व काफी बढ़ता जा रहा है। इस विधि में दो व्यक्तियों के बीच क्रमबद्ध उद्देश्यपूर्ण बातें होती हैं। एक व्यक्ति दूसरे से उसके बारे में जानने के लिए उससे प्रश्न पूछता है। यह बातचीत साधारण बात से अलग होती है।

मैकोबी और मैकोबी के शब्दो में, "साक्षात्कार आमने-सामने का एक मौखिक आदान-प्रदान है जिसमें साक्षात्कारकर्ता दूसरे व्यक्ति या व्यक्तियों से कुछ सूचना प्राप्त करने या उनके द्वारा व्यक्त किये गये विवरण या मत का अध्ययन करने की चेष्टा करता है।" *(Face to face verbal interchange in which on person, the interviewer attempts to elicit information or expression or opinion or belief from another persons.)*

पी० भी० यंग (P.V. Young) के अनुसार, "यह एक व्यवस्थित विधि है जिसके द्वारा एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति के जो कि अपेक्षाकृत एक अजनबी है, के जीवन में काल्पनिक रूप से प्रवेश करता है।" *(A systematic method by which a person enters more or less imaginatively into the life of a comparative stranger.)*

चैपलिन (Chaplin) के अनुसार--" साक्षात्कार तथ्यपूर्ण सूचना प्राप्त करने हेतु आमने-सामने का वार्तालाप है। *(Interview is a face to face conversation for the purpose of obtaining factual information.)*

अतः यह स्पष्ट है कि साक्षात्कार में एक व्यक्ति अन्य व्यक्ति से उसके जीवन, मत, विचार आदि के बारे में मौखिक पूछताछ के आधार पर कुछ जानकारी प्राप्त करने की कोशिश करता है। साक्षात्कार की आवश्यक शर्त यह होती है कि यह मौखिक रूप से होता है एवं आमने-सामने की स्थिति में होता है। फिर पूर्व नियोजित एवं सोद्देश्यपूर्ण भी होता है।

Scanned with CamScanner

साक्षात्कार की विशेषतायें (Characteristics of Interview) :

इसकी विशेषतायें अग्रलिखित हैं—

1. इस प्रविधि में दो या दो से अधिक व्यक्तियों का समावेश होता है।
2. यह प्रविधि प्राथमिक सम्बन्धों पर आधारित होती है।
3. इस प्रविधि का कोई विशिष्ट उद्देश्य अवश्य होता है।
4. इसके माध्यम से तथ्यों का संकलन किया जाता है।

साक्षात्कार विधि का महत्व (Importance) :

1. साक्षात्कार प्रविधि में साक्षात्कारकर्ता या सूचनादाता से प्रत्यक्ष एवं निकट का सम्पर्क होता है। इस स्थिति में प्राप्त सूचनाओं को अधिक से अधिक विश्वसनीय माना जाता है।

2. इस प्रविधि द्वारा न केवल सूचना के वर्तमान को बल्कि भूतकालीन और भविष्यकालीन पक्षों को भी समझा जा सकता है।

3. एक योग्य अनुभवी और कुशल साक्षात्कारकर्ता मनोवैज्ञानिक तरीके अपनाकर सूचनादाता से गोपनीय सूचनायें प्राप्त कर सकता है।

4. जब सूचनादाता को साक्षात्कारकर्ता की कोई बात समझ में नहीं आती है, साक्षात्कारकर्ता उसकी सहायता करता है।

5. इस प्रविधि से साक्षात्कारकर्ता का व्यावहारिक ज्ञान और अनुभव बढ़ता है। वह परिपक्व सवेक्षणकर्ता बन जाता है।

साक्षात्कार विधि के गुण या लाभ (Merits of Interview Methods) :

इसके निम्नलिखित गुण हैं—

1. पहला गुण यह है कि प्रश्न पूछे जाने वाले व्यक्ति को यह जानकारी नहीं रहती है कि मुझसे कौन से प्रश्न पूछे जायेंगे। अत: एकाएक प्रश्न पूछे जाने पर वह अधिक सही उत्तर दे सकता है क्योंकि ज्यादा सोचकर अपने अवगुणों को छिपाने का मौका उसे नहीं मिलता है।

2. साक्षात्कार में अनेकों बार समीक्षक के उत्तरों के आधार पर ही उससे और प्रश्न पूछकर उसके बारे में जाना जा सकता है, जो अन्य विधियों द्वारा सम्भव नहीं है।

3. साक्षात्कार में सिर्फ मौखिक उत्तरों पर ही ध्यान नहीं दिया जाता है बल्कि उसके रहन-सहन, भाव, संवेगों को भी देखा जाता है जिससे उसके व्यक्तित्व को भी जाना जा सके।

साक्षात्कार विधि के दोष (Demerits of Interview Methods) :

इसके निम्नलिखित दोष हैं-

1. अन्य विधियों की अपेक्षा ज्यादा समय-साध्य एवं खर्चीली है।

2. योग्य साक्षात्कारकर्ता का होना जरूरी है, पर कौन साक्षात्कारकर्ता योग्य है यह जानना कठिन है।

3. साक्षात्कारकर्ता और समक्षी आमने-सामने होते हैं। अत: रंग-रूप, आचार-विचार, रहन-सहन से परिणाम प्रभावित होता ही है। अत: कभी-कभी अयोग्यता का अनुभव आसानी से कर लिया जाता है।

Scanned with CamScanner